ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

24-05-2025

दु:ख-अशान्ति की उत्पत्ति अपवित्रता से होती है। जहाँ अपवित्रता नहीं वहाँ दु:ख अशान्ति कहाँ से आई। आप सब पतित-पावन बाप के बच्चे मास्टर पतित-पावन हो, तो जो औरों को पतित से पावन बनाने वाले हैं वह स्वयं तो पावन होंगे ही। ऐसी पावन पवित्र आत्माओं के पास सुख और शान्ति स्वत: ही है। सबसे बड़े ते बड़ी महानता है ही पावन बनना। आज भी इसी महानता के आगे सभी सिर झुकाते हैं।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

Sorrow and peacelessness arise out of impurity. Where there is no impurity, there can be no sorrow or peacelessness. All of you are master purifiers, the children of the Purifier. Those who purify others would naturally be pure themselves. Such purifier souls would definitely keep their peace and happiness with them. The greatest speciality of all is to be pure. Even today, people bow their heads to this greatness.